भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3425
दिनांक 12 मार्च, 2026

उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

†3425. श्री जगदम्बिका पालः
श्री उज्जवल रमण सिंहः

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों सहित अन्य लोगों हेतु घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की वहनीयता बनाए रखने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ख) उत्तर प्रदेश में पीएमयूवाई के लाभार्थियों की जिला-वार, विशेषकर इलाहाबाद लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में, संख्या कितनी है;

(ग) क्या देश में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत पड़ोसी देशों में इसकी कीमत की तुलना में कम है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा एलपीजी स्रोत निर्धारण रणनीति में विविधता लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) क्या सरकार एलपीजी की कम वसूली के कारण हुए नुकसान के लिए तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को मुआवजा दे रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ग): प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) मई, 2016 में शुरू की गई थी, जिसका उदेश्य पूरे देश में गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन देना था। दिनांक 01.03.2026 की स्थिति के अनुसार, पूरे देश में लगभग 10.56 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन थे, जिसमें इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र (प्रयागराज ज़िले को कवर करते हुए) में 5.91 लाख कनेक्शन शामिल थे।

उत्तर प्रदेश राज्य में पीएमयूवाई कनेक्शनों की संख्या का ज़िले-वार ब्यौरा अनुलग्नक-क में दिया गया है।

भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का लगभग 60% आयात करता है और तदनुसार देश में एलपीजी की कीमतें अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसके मूल्यों से जुड़ी होती हैं। जबकि औसत सऊदी सीपी (एलपीजी मूल्यों के लिए अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्क) 41% (जुलाई 2023 में अमेरिकी $385/एमटी से फरवरी 2026 में अमेरिकी $542/एमटी तक)बढ़ा, घरेलू एलपीजी का मूल्य लगभग 17% (अगस्त 2023 में 1103 रुपए से मार्च

2026 में 913 रुपए तक) कम हो गया। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए, घरेलू एलपीजी का प्रभावी मूल्य लगभग 32% (अगस्त 2023 में 903 रूपए से मार्च 2026 में 613 रुपए तक) कम कर दिया गया है ।

पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी को और अधिक किफायती बनाने और उनके द्वारा एलपीजी के निरंतर उपयोग को सुनिश्चित बनाने के लिए, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, सरकार पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के 9 रिफिल तक (और 5 किलोग्राम के कनेक्शन के लिए आनुपातिक रूप से यथानुपाति) के लिए 300/-रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर की निर्धारित राजसहायता दे रही है।

दिल्ली में अभी 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर का खुदरा बिक्री मूल्य 913 रुपये है। इसके अलावा, 01.03.2026 की स्थिति के अनुसार पड़ोसी देशों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर का प्रभावी मूल्य निम्नानुसार है:

क्र.सं	पड़ोसी देश	घरेलू एलपीजी (रुपया/14.2 किलोग्राम सिलेंडर)
1	भारत (दिल्ली)*	613.00
2	पाकिस्तान	1046.34
3	बांग्लादेश	662.58
4	श्रीलंका	1241.67
5	नेपाल (काठमांडू)	1207.81

स्रोत: पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी)

*दिल्ली में पीएमयूवाई के लाभार्थियों के लिए प्रभावी लागत । दिल्ली में गैर- पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए प्रभावी लागत 913 रुपए है।

(घ): कार्यनीतिक रुप से, आपूर्ति सुरक्षा को सुनिश्चित करने और क्षेत्र में रुकावटों या भू-राजनैतिक घटनाओं से उत्पन्न होने वाले जोखिमों को कम करने के लिए एलपीजी आयात में विविधीकरण किया जा रहा है। इस कार्यनीति के भाग के रूप में, पीएसयू ओएमसी ने हाल ही में कैलेंडर वर्ष 2026 के लिए अमेरिकी मूल की एलपीजी के ~2.2 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) आयात के अनुबंध पूरे किए हैं, जो देश की कुल एलपीजी आयात आवश्यकता का लगभग 10% कवर करते है। यह पारंपरिक अरब खाड़ी क्षेत्र के बाहर एक भरोसेमंद वैकल्पिक एलपीजी आपूर्ति का स्रोत स्थापित करके भारत का ऊर्जा के क्षेत्र मे लचीलापन मज़बूत करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाना है।

(ड़): सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 में तेल विपणन कंपनियों को 22,000 करोड़ रुपये का मुआवज़ा दिया है और वित्त वर्ष 2025-26 में 30,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त मुआवजे को मंजूरी दी है।

******

अनुलग्नक 'क'

"उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना" के संबंध में दिनांक 12.03.2026 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3425 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

उत्तर प्रदेश में जिलेवार पीएमयूवाई कनेक्शनों की संख्या (दिनांक 01.03.2026 की स्थिति के अनुसार)

ज़िला	पीएमयूवाई कनेक्शनों की संख्या
आगरा	3,47,289
अलीगढ़	3,24,696
प्रयागराज	5,90,606
अंबेडकर नगर	1,81,651
अमेठी	1,71,437
औरैया	1,40,958
आजमगढ़	3,04,421
बागपत	74,064
बहराइच	4,54,989
बलिया	2,27,124
बलरामपुर	2,27,363
बाँदा	2,49,821
बाराबंकी	3,27,978
बरेली	4,33,781
बस्ती	2,10,045
बिजनौर	3,37,895
बदायूं	3,87,469
बुलंदशहर	3,59,131
चंदौली	1,98,656
चित्रकूट	1,31,510
देवरिया	2,00,374
एटा	1,74,065
इटावा	1,65,166
अयोध्या	2,31,176
फर्रुखाबाद	1,67,413
फतेहपुर	2,90,963
फिरोजाबाद	2,39,337
गौतम बुद्ध नगर	94,174
गाजियाबाद	1,12,040
गाजीपुर	3,21,878
गोंडा	3,45,912
गोरखपुर	2,97,558
हमीरपुर	1,64,064
हापुड़	77,297
हरदोई	5,15,207
हाथरस	1,88,128

ज़िला	पीएमयूवाई कनेक्शनों की संख्या
जालौन	1,84,173
जौनपुर	4,09,671
झांसी	2,20,897
अमरोहा	1,63,858
कन्नौज	1,74,610
कानपुर देहात	2,22,822
कानपुर नगर	1,97,350
कासगंज	2,20,238
कौशाम्बी	1,84,707
कुशीनगर	3,20,345
खेरी	5,32,772
ललितपुर	1,97,721
लखनऊ	2,57,577
महोबा	1,21,461
महाराजगंज	2,58,512
मैनपुरी	1,75,598
मथुरा	2,24,005
मऊ	1,60,529
मेरठ	2,06,110
मिर्जापुर	3,24,675
मुरादाबाद	2,86,188
मुजफ्फरनगर	2,57,375
पीलीभीत	2,33,324
प्रतापगढ़	2,78,321
रायबरेली	2,83,634
रामपुर	2,45,587
सहारनपुर	2,61,500
संभल	2,20,062
संत कबीर नगर	1,40,056
भदोही	1,98,679
शाहजहांपुर	3,68,176
शामली	1,15,401
श्रावस्ती	1,59,489
सिद्धार्थनगर	2,05,121
सीतापुर	6,10,475
सोनभद्र	2,55,667
सुल्तानपुर	2,34,574
उन्नाव	3,21,376
वाराणसी	2,58,556

स्रोत: पीएसयू ओएमसीज़ की ओर से आईओसीएल